रंग सागर : महाराणा राजसिंह के बड़े पुत्र सुरत्राण (सुल्तान) सिंह ने अपने जीवनकाल में कलालों के मकानों के पास सुल्तान सागर का निर्माण प्रारम्भ किया। उनकी मृत्यु उपरान्त पिता की आज्ञा से अधूरे कार्य को उनके छोटे भाई कुँवर जयसिंह ने पूर्ण करवाया तथा इसका नाम कलाल्या रखा गया। कुँवर जयसिंह ने इसकी प्रतिष्ठा महाराणा राजसिंह से माघ शुक्ल 10 सं. 1725 (1668 ई.) करवायी। बाद में इसे रंगसर अथवा रंगसागर के नाम से पुकारा जाने लगा।

अम्बावगढ़ के नीचे अमर ओटे तक का हिस्सा रंग सागर है। महाराणा सज्जनसिंहजी के समय इसको पिछोला में मिला दिया गया था। वर्तमान में यह भी पिछोला ही कहलाता है। अम्बापोल से पश्चिमी हिस्सा जिसे कुम्हारिया तालाब कहते है तथा जो रंगसागर से अम्बापोल पुलिया में स्थित दो मौखियों के माध्यम से जुड़ा हुआ है। यह अम्बापोल पुलिया, चांदपोल पुलिया एवं नई पुलिया से घिरा हुआ है।

यह झील 1.03 कि.मी. लम्बी एवं 245 मीटर चौड़ी है। इसकी अधिकतम् गहराई 7 मीटर है। यह झील दक्षिण में पिछोला, पश्चिम में कुम्हारिया तालाब और उत्तर में स्वरूप सागर के मध्य लिंक चैनल के रूप में कार्य करती है। इस झील के मध्य टीरा पार्क है। यह पार्क वर्तमान में अविकसित है। वर्तमान में इस झील का जल प्रदूषित है क्योंकि आसपास निवासियों द्वारा इसमें पूजन सामग्री, मरणोपरान्त वस्त्र, फूल–मालाएँ, घरेलू कचरा, प्लास्टिक बोतलें आदि डाली जा रही है। इस झील में व्याप्त पोषक तत्वों युक्त जल से जलीय वनस्पति विशेषकर जलकुम्भी के फैलाव के कारण इसकी जल सतह काई से पटी रहती है।

रंग सागर का विहंगम स्वरूप : अम्बापोल, चांदपोल एवं नई पुलिया से घिरा हुआ

रंग सागर – गूगल मेप के अनुसार–चारों ओर आवासीय बस्तियों, होटल्स से घिरा हुआ

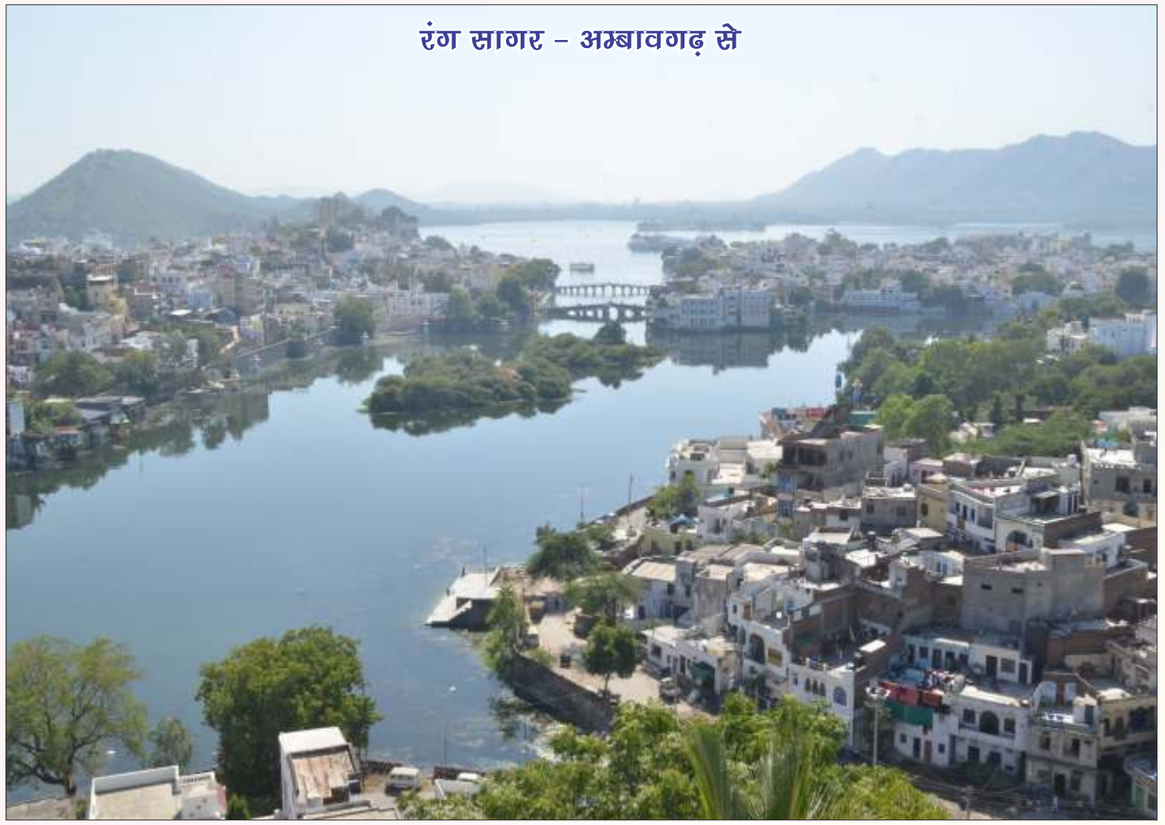

रंग सागर – अम्बावगढ़ से

रंगसागर, चाँदपोल एवं पिछोला झील का एक दृश्य (20वीं सदी, पूर्वार्द्ध)

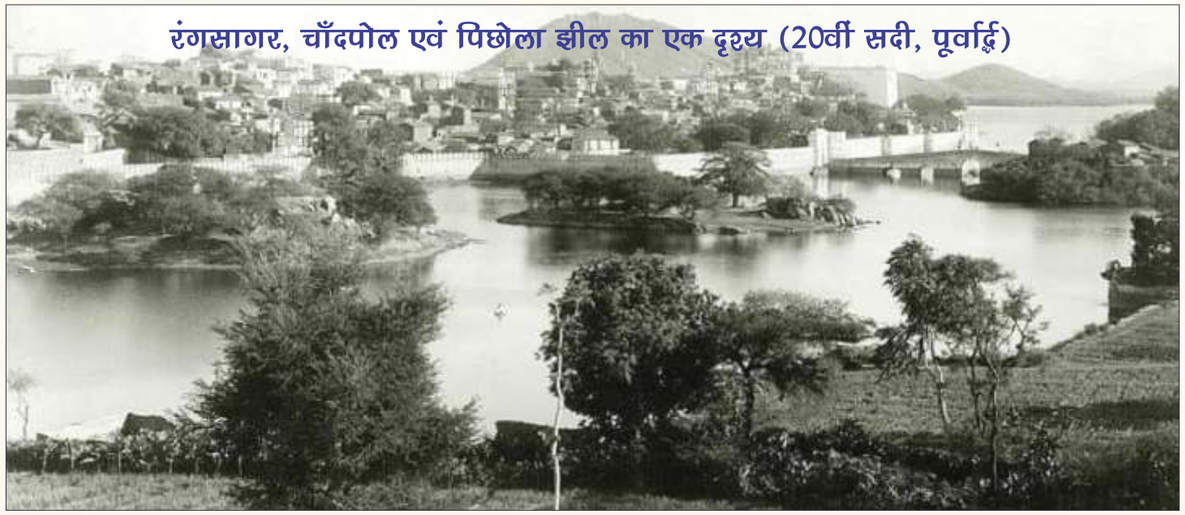

रंगसागर एवं पिछोला झील का एक विहंगम दृश्य (20वीं सदी, पूर्वार्द्ध)

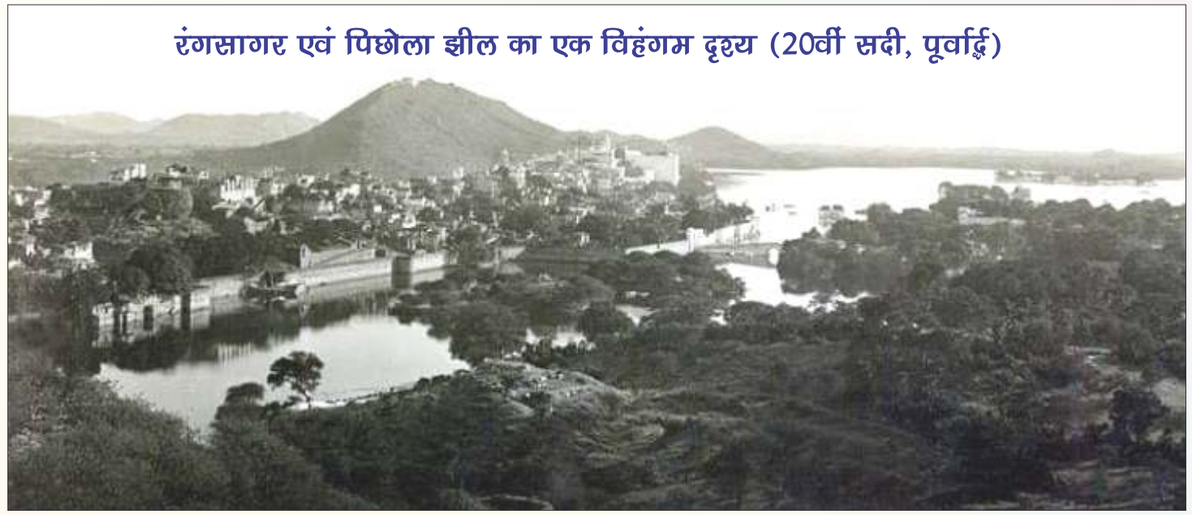

अम्बावगढ़ से – रंग सागर नई पुलिया के माध्यम से स्वरूप सागर एवं चांदपोल पुलिया से अमरकुण्ड तक विहंगम दृश्य – पूर्ण भराव स्तर पर

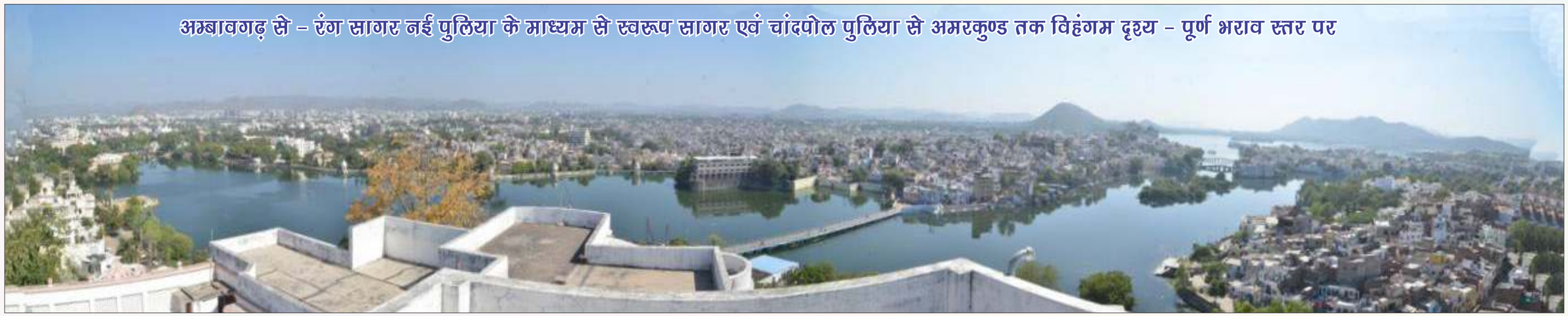

रंग सागर में टीरा मगरी – झील काई से पटी हुई

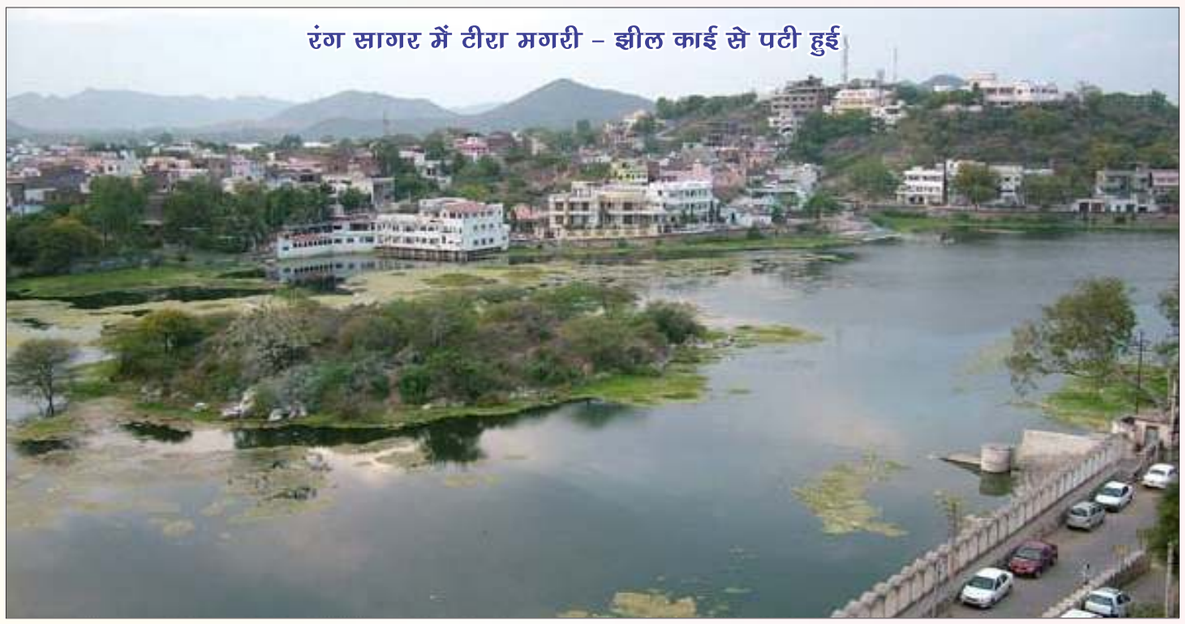

रंग सागर में अर्द्ध-विकसित टीरा मगरी– झील लबालब होने के समय

सिलावटवाड़ी से - रंगसागर-टीरा मगरी-नई पुलिया : पूर्ण भराव स्तर पर। इस सुन्दरता के साथ घाटों की स्वच्छता को बनाये रखना प्रत्येक नागरिक का कर्त्तव्य है।

नव-निर्मित बारी घाट

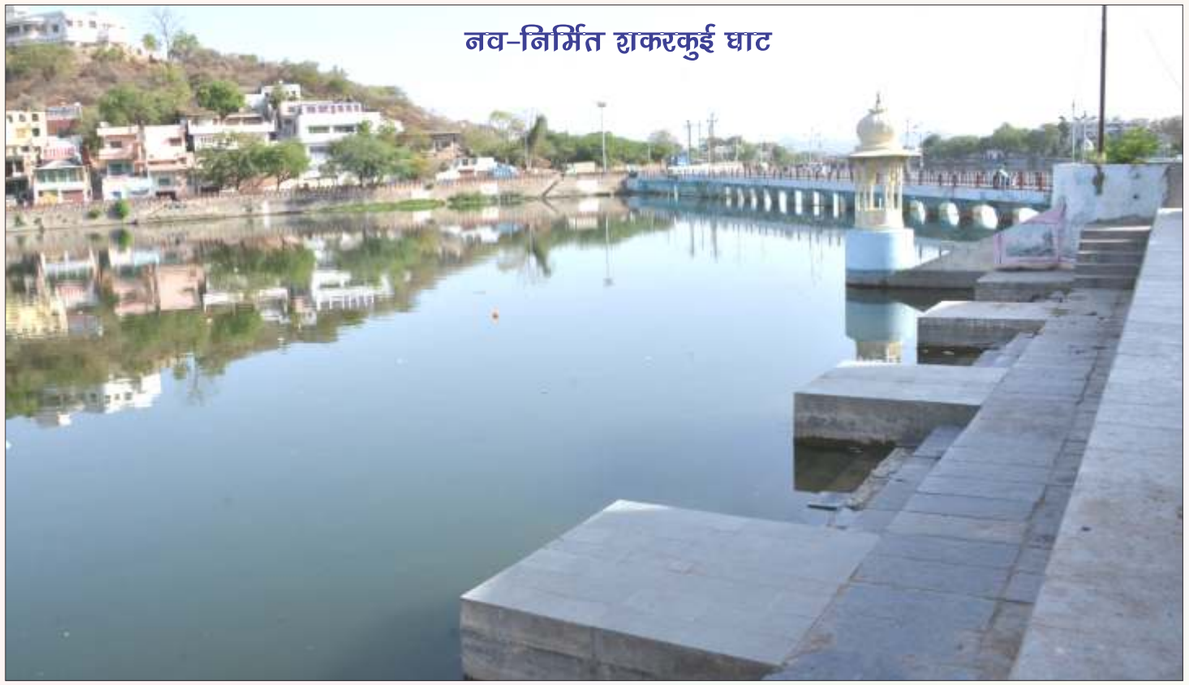

नव-निर्मित शकरकुई घाट

नव-निर्मित इमली घाट

अम्बावगढ़ छोर पर स्थित अव्यवस्थित एवं अनुपयोगी घाट-(1)

अम्बावगढ़ छोर पर स्थित अव्यवस्थित एवं अनुपयोगी घाट-(2)

अम्बावगढ़ छोर पर स्थित अव्यवस्थित एवं अनुपयोगी घाट-(3)

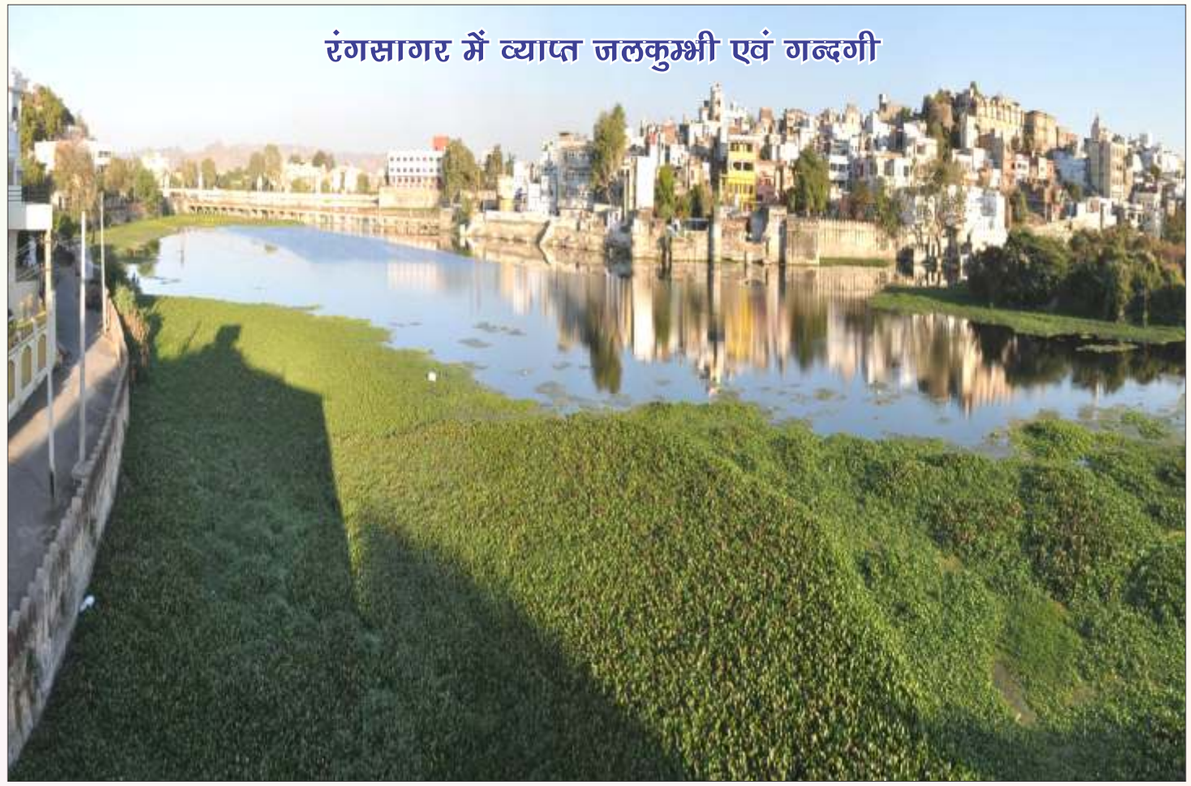

रंगसागर में व्याप्त जलकुम्भी एवं गन्दगी

प्रदूषित रंग सागर - जलकुम्भी निकालते हुए श्रमिक, यह कार्य वर्षभर नियमित चलना चाहिये, जिससे इसकी रोकथाम संभव हो सकती है।

अनुपयोगी घाटों को प्रशासन द्वारा हटा दिये जाने चाहिये।

सिलावटवाड़ी पुलिया के कॉर्नर पर रंगसागर में जमा स्थानीय आवासियों द्वारा विसर्जित प्लास्टिक थैलियां, पूजन सामग्री एवं अन्य गन्दगी

रंग सागर- नई पुलिया के दक्षिण जाटवाड़ी कॉर्नर
गन्दगी युक्त जल में पल्लवित जलकुम्भी एवं अन्य खरपतवार

खरपतवार रहित नई पुलिया

रंगसागर के विभिन्न क्षेत्रों के समय-समय पर लिए गये जलकुंभी, काई, प्लास्टिक थैलियां, पूजन सामग्री आदि से प्रदूषित क्षेत्रों के दृश्य : ये दृश्य भविष्य में पुनः देखने को नहीं मिले, ऐसी अपेक्षा है।

नई पुलिया से रंग सागर में डाले गए मृत्यु उपरान्त बिस्तर, अन्य कपड़े दैनिक घरेलू गन्दगी, पूजन सामग्री, मालाएँ आदि।

नई पुलिया से डाली गई फूल–मालाएँ, अनुपयोगी कागज रद्दी, प्लास्टिक थैलियां, बोटल्स एवं अन्य गन्दगी।

इस क्षेत्र में निर्माण उपरान्त अनुपयोगी भराव डालने से स्वरूप सागर एवं रंग सागर की सुन्दरता पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। पर्यटकीय दृष्टि से यह उचित नहीं है।

इस क्षेत्र की गन्दगी को एकत्रित करने हेतु नगर पालिका द्वारा रखे गये कन्टेनर से स्वरूप सागर एवं रंग सागर की सुन्दरता पर विपरीत प्रभाव के साथ क्षेत्र दुर्गन्ध युक्त रहता है। पर्यटकीय दृष्टि से यह उचित नहीं है।

रंग सागर के उत्तरी छोर अम्बावगढ़ के नीचे स्थित घाट पर व्यक्ति विशेष द्वारा जानवरों के अवशेषों की सफाई के दौरान गन्दगी झील में समाहित होते हुए, जनभागीदारी से ही इसकी रोकथाम संभव है। इस प्रकार के छोटे घाटों को प्रशासन द्वारा हटा दिया जाना चाहिये।

अम्बावगढ़ के नीचे स्थित सार्वजनिक पार्क स्थल के पास रंग सागर में पाईप द्वारा सीवरेज एवं अन्य गन्दगी युक्त पानी का प्रवेश।

अम्बावगढ़ के नीचे स्थित सार्वजनिक पार्क स्थल के पास रंग सागर में नाले के द्वारा सीवरेज एवं अन्य गन्दगी युक्त पानी का प्रवेश।

अम्बापोल दरवाजे की छत कबाड़ियों द्वारा कांच की बोतल, प्लास्टिक्स आदि संग्रहण स्थल बन चुकी है, इस ओर प्रशासन को ध्यान देना चाहिये।

महत्त्वपूर्ण सुझाव :

- जन भागीदारी एवं आस–पास के निवासियों को जागरूक कर झील की स्वच्छता को बनाये रखा जा सकता है।
- सीसीटीवी कैमरों की सहायता से भी गन्दगी डालने वालों को चिन्हित कर उचित दण्डनीय कार्यवाही से झीलों का स्वच्छ रखा जा सकता है।
- इसके निराकरण हेतु स्थानीय प्रशासन को उक्त कन्टेनर झील से दूर अन्य क्षेत्र निर्धारित कर रखे जाने चाहिये ताकि झीलों की सुन्दरता अवरुद्ध नहीं हो एवं पर्यटन पर विपरीत प्रभाव नहीं पड़े।
- झील किनारे के स्थल को नगर निगम द्वारा कचरा/ गन्दगी संग्रहण स्थल बनाना बिल्कुल भी न्यायोचित नहीं है। साथ ही यह स्वास्थ्य के दृष्टि से भी प्रतिकूल है। प्रशासन को इस बारें में समुचित व्यवस्था करनी चाहिये।
- अम्बापोल दरवाजे की छत को देशी व विदेशी पर्यटकों के लिए रंग सागर एवं कुम्हारिया तालाब की फोटोग्राफी पॉइन्ट के रूप में विकसित किया जाना चाहिये।
- इसमें चप्पू एवं पैडल चलित नावें संचालित की जानी चाहिये जिससे इस झील का रखरखाव उत्तम होने के साथ झील के पानी में ऑक्सीजन की मात्रा में भी वृद्धि संभव हो सकेगी।